RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 05 जून 2024 वर्ष 06 अंक 48 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

फायर सेफ्टी में लापरवाही मनपा ने 17 मॉल्स को थमाया नोटिस

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र में चौंकाने वाले रिजल्ट पर सीएम एकनाथ शिंदे की पहली प्रतिक्रिया

कहा- 'हमारी पार्टी एनडीए ...'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र लोकसभा रिजल्ट में लगे झटके पर सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि देश की जनता द्वारा दिया गया जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास दशार्ने वाला है. शिंदे ने कहा, ''एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिला है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं.''

उन्होंने ये भी कहा, ''एनडीए का घटक दल होने के नाते शिवसेना हमेशा साथ है. पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर अग्रसर रहा है. अगले पांच वर्ष भी यह रफ़्तार कायम रहेगी, मैं ऐसा विश्वास व्यक्त करता हूं.'' देश की जनता द्वारा दिया गया जनादेश प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के प्रति विश्वास दशार्ने वाला है. एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिला है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं.एनडीए

देश की जनता ने विकास को वोट दिया- एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आगे कहा, ''ठाणे से हमारे उम्मीदवार नरेश म्हस्के को भारी जीत हासिल हुई है. मैं इन्हें बधाई देता हूं. वे ठाणे लोकसभा का विकास करेंगे. मैं सभी का और प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन करता हूं, वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे. प्रधानमंत्री मोदी विकास के एजेंडे पर चुनाव लड़ रहे थे. इस देश की जनता ने विकास को वोट दिया है. जिन लोगों ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को तड़ीपार करो, उन लोगों को सत्ता से दूर रखकर जनता ने तड़ीपार कर दिया है.'

बता दें कि लोकसभा चुनाव नतीजों के रुझान में महाराष्ट्र में एनडीए को भारी नुकसान होता दिख रहा है. चुनाव आयोग के आंकड़ों को मुताबिक राज्य में एनडीए को 18 सीटों पर बढ़त है जबकि इंडिया गठबंधन 29 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है. इनमें कई सीटों पर फाइनल रिजल्ट भी आ चुके हैं.

साल 2019 में महाराष्ट्र में NDA ने कुल 41 सीटें जीती थीं, जिसमें बीजेपी ने अकेले 23 सीटों पर विजय पताका लहराया था. वहीं शिवसेना को 18 सीटों पर जीत मिली थी. ये वो शिवसेना थी, जिसके मुखिया उद्धव ठाकरे हुआ करते थे.

मुंबई मनपा जुटी मलेरिया डेंगू मुक्त की तैयारी में...!

मुंबई : मानसून में फैलनी वाली मॉनसूनी बीमारी पर अंकुश लगाने के लिए मनपा ने कमर कस ली है। मनपा प्रशासन ने मानसूनी बीमारियों से निपटने के लिए डॉक्टरों की सूक्ष्म उपाय करने का निर्देश दिया है इसी तरह भारी गर्मी के बीच लोगो को होने वाले हीट स्ट्रोक से बचने के लिए मनपा ने कार्य योजना तैयार करने का प्रयास करने की अपील मनपा ने की है। मनपा प्रशासन ने मुंबई के लोगो से अपील की है कि शीतकालीन बुखार (मलेरिया) और डेंगू से मुक्त बनाने के लिए सभी को एक साथ आना और जन जागरूकता पैदा करना जरूरी है।

मनपा प्रशासन ने गर्मी को खत्म करने के लिए सूक्ष्म उपाय करने पर जोर दिया जाना चाहिए। मनपा अतिरिक्त आयुक्त सुधाकर शिदे ने कि सभी को इसके लिए कार्ययोजना तैयार करने का प्रयास करना चाहिए। मानसून की तैयारी के साथ साथ जून महीना के बाद मुंबई ह्यसर्दी- बुखार (मलेरिया) जैसी मानसूनी बीमारी की शुरूआत होती है इससे निपटने के लिए मनपा प्रशासन ने महाराष्ट्र सरकार विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से मुंबई में दो दिवसीय विशेष कार्यशाला और सेमिनार का आयोजन किया ामनपा अतिरिक्त आयुक्त शिदे ने कहा मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रमुख प्रोफेसर और 24 विभागों के चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारियों के एक साथ समन्वय कर बुखार को खत्म करने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए।

महाराष्ट्र में महा सरप्राइज...

बीजेपी को भारी पड़ा अजित-शिंदे का साथ... जानें 48 सीटों पर कौन नंबर वन पार्टी

मुंबई: महाराष्ट्र की 48 सीटों में से महायुति को 20 सीटें मिली है। जबकि विपक्ष की महाविकास आघाडी ने 27 सीटों पर कब्जा जमाया है। एक सीट अन्य के खाते में गई है। सांगली में कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले विशाल पाटिल ने जीत हासिल की है। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के परिणाम को देखते हुए अब विपक्ष का कहना है कि यह तो सिर्फ झांकी है, अभी विधानसभा चुनाव बाकी ह। वहीं कांग्रेस, बीजेपी और उद्धव की यूबीटी में नंबर वन पार्टी बनने की बड़ी होड़ लगी हुई है।

बीजेपी को शिंदे और अजित का साथ पड़ा भारी

महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव परिणाम ने बीजेपी को बड़ा सरप्राइज दिया है। जिस तरह के नतीजे सामने आए हैं। इससे लगता है कि बीजेपी को सीएम एकनाथ शिंदे व डिप्टी सीएम अजित पवार का साथ भारी पड़ा है। साथ ही राज्य की जनता ने यह भी बता दिया है कि जिस तरह से बीजेपी ने उद्धव की शिवसेना और शरद पवार की राकां को तोड़ा है। उनकी यह चाल लोगों को पसंद नहीं आई।

उद्धव बने किंगमेकर

पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र में सबसे बड़े किंगमेकर बन कर उभरे हैं। उनकी पार्टी उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) 21 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें 11 सीटों पर उनके उम्मीदवारों को सफलता मिली है। उद्धव की सेना का शिदे की शिवसेना से 13 सीटों पर सीधा मुकाबला था। इसमें कई अहम सीटों पर उद्धव के प्रत्याशी शिंदे के उम्मीदवारों को शिकस्त देने में कामयाब रहे हैं। इनमें प्रमुख रुख से दक्षिण मुंबई और दक्षिण मध्य मुंबई की सीटें हैं। जहां ठाकरे गुट के प्रत्याशी अरविंद सावंत व अनिल देसाई चुनाव जीतने में सफल रहे हैं।

महायुति सरकार पर संकट!

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद अब महायुति सरकार पर भी संकट मंडरा रहा है। बीजेपी ने राज्य में 45 प्लस सीटों को जीतने का लक्ष्य बनाया था, लेकिन उन्हें बड़े सेटबैक का सामना करना पड़ा है। ऐसे में बीजेपी अब आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बड़ा फैसला ले सकती है। बीजेपी इस बात पर आत्ममंथन कर सकती है कि क्या विधानसभा चुनाव में वह शिदे और अजित के साथ गठबंधन को लेकर आगे बढ़ेगी या फिर कोई बड़ा फेरबदल होगा।

कांग्रेस ने दिया सबसे बड़ा सरप्राइज

महाराष्ट्र में सबसे बड़ा सरप्राइज कांग्रेस ने दिया है. कांग्रेस पार्टी ने 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। जिसमें 11 सीटों पर उनके प्रत्याशी विजयी घोषित हुए हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 25 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। लेकिन मात्र चंद्रपुर से उनके उम्मीदवार बालू धानोरकर चुनाव जीतने में सफल रहे थे, पर इस बार के चुनाव में कांग्रेस ने 11 सीटें जीत कर सबको चौका दिया है। इनमें कई सीटों पर कांग्रेस व बीजेपी के उम्मीदवारों की सीधी टक्कर थी। लेकिन बीजेपी प्रत्याशियों पर कांग्रेस उम्मीदवार भारी पड़े हैं।

शरद पवार ने भतीजे को दी पटखनी

राकां अध्यक्ष शरद पवार ने इस बार के लोकसभा चुनाव में अपने भतीजे अजित पवार को कड़ा सबक सिखाते हुए राजनीति के मैदान में पटखनी दी है। अजित पवार अपने चाचा से बगावत करते हुए बीजेपी की अगुवाई में बनी महायुति में शामिल हो गए थे। वहीं उन्होंने अपने चाचा को सीधा चैलेंज करते हुए बारामती की लोकसभा सीट से सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी सुनेत्रा पवार को मैदान में उतार दिया था। इस वजह से बड़े पवार की प्रतिष्ठा दांव पर लग गई थी। लेकिन इस चुनाव में सुप्रिया अपनी भाभी सुनेत्रा को शिकस्त देने में कामयाब रही और शरद पवार अपने बारामती के गढ़ को बचाने में कामयाब रहे। शरद पवार की पार्टी ने 10 उम्मीदवार लोकसभा चुनाव में खड़े किए थे, जिनमें 7 को सफलता मिली है।

संपादकीय...

...गठबंधन का दौर वापस

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

लोकसभा चुनाव के नतीजों ने ज्यादातर एक्जिट पोल को गलत साबित किया और साफ तौर पर दिखा दिया कि भारत में चुनाव पहले की तरह कड़े मुकाबले वाले बने हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी 240 सीट पर आगे है या जीत चुकी है। यानी वह अकेले दम पर बहुमत के आंकड़े से दूर है। हालांकि, उसके नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आसानी से अगली सरकार बनाने का दावा पेश कर सकता है। ऐसे में करीब एक दशक बाद भारत में गठबंधन सरकार की वापसी हो रही है। लोक सभा के साथ ही जिन कुछ महत्त्वपूर्ण राज्यों में विधान सभा चुनाव हुए, मंगलवार को घोषित नतीजों के अनुसार उनमें राजग को अच्छा फायदा हुआ है और वह मौजूदा सरकारों को सत्ता से बाहर करने में कामयाब हुआ है।

ओडिशा में करीब 23 साल से सत्ता में रहा बीजू जनता दल हार गया और राज्य की 147 सदस्यीय विधान सभा में भाजपा 80 सीट जीत रही है। इसके पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगू देशम पार्टी भी जबरदस्त जीत हासिल करते हुए अगली सरकार बनाने जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो भाजपा ने अपनी मत हिस्सेदारी में मामूली सुधार किया है, लेकिन उसे 2019 के बराबर भी सीट नहीं मिल पाईं। दूसरी तरफ, कांग्रेस भी अपनी मत हिस्सेदारी करीब 3 फीसदी बढ़ाने में सफल हुई लेकिन उसकी सीट संख्या करीब दोगुनी हो गई है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश जैसे हिंदी पट्टी के अहम राज्य में अपनी जमीन गंवा दी है। हरियाणा और महाराष्ट्र के आंकड़ों को देखते हुए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इन राज्यों में अगले कुछ महीने में होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या होता है?

कई लोगों का यह मानना है कि गठबंधन सरकार सुधार प्रक्रिया को धीमी कर सकती है, शेयर बाजार सूचकांकों में भारी गिरावट इसी आशंका को दिखाती है, लेकिन साल 1991 में देश में आर्थिक सुधार की प्रक्रिया एक अल्पमत सरकार ने शुरू की थी और बाद में 2014 तक उसे गठबंधन सरकारों ने जारी रखा। अब ज्यादा सहमति बनाने की जरूरत होगी, जिससे निस्संदेह कुछ फैसलों में देरी हो सकती है, लेकिन इससे राजनीतिक स्वीकार्यता बढ़ेगी। यह भी अहम होगा कि आर्थिक सुधारों के लिए अब राज्यों को भी साथ लिया जाए। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के मामले में जिस तरह से केंद्र और राज्यों में सहयोग दिखा, उससे यह उम्मीद बनी थी कि अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह से सहयोग कायम कर सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सकता है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

फायर सेफ्टी में लापरवाही मनपा ने 17 मॉल्स को थमाया नोटिस

मालाड मॉल का काटा पानी-बिजली

मुंबई : मनपा आयुक्त भूषण गगरानी के निर्देश के बाद फायर ब्रिगेड ने मुंबई के मॉल का सर्वेक्षण शुरू किया। फायर ब्रिगेड नेथे मुंबई के 68 मॉल का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में पाया गया कि 48 मॉल्स में आग से बचने का उपाय किया गया था। वहीं फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने वाले 17 मॉल्स को नोटिस जारी किया गया है। मालाड पश्चिम के एक मॉल में सोमवार को आग लग गई जो फायर सेफ्टी का पालन न करने वाले लिस्ट में था। मनपा ने मॉल को असुरक्षित घोषित करते हुए बिजली-पानी काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुंबई फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने बताया कि जिन मॉल्स को नोटिस दी गई है उन्हें 30 दिनों के भीतर फायर सेफ्टी लगाना होगा।

फायर ब्रिगेड के प्रमुख संतोष सावंत ने कहा कि जिन 17 मॉल्स को नोटिस दी गई थी उसमें से मालाड वेस्ट स्थित मॉल को पिछले सप्ताह जांच में मिली खामी को सुधारने के लिए नोटिस जारी किया गया था। सोमवार को उसी मॉल में आग लग गई। इसे गंभीरता से लेते हुए फायर ब्रिगेड ने उक्त मॉल को असुरक्षित घोषित कर दिया है और बिजली-पानी काट दिया है। इस कार्रवाई में मुंबई फायर ब्रिगेड ने महाराष्ट्र अग्नि निवारण और जीवन सुरक्षा उपाय 2006 के तहत जारी 'फायर एक्ट नोटिस' को रद्द करने और मॉल को 'तुरंत असुरक्षित' घोषित कर दिया। साथ ही फायर सेफ्टी सिस्टम को लेकर कोई कार्रवाई नहीं करने पर मॉल प्रबंधन को नया नोटिस जारी किया है। सेफ्टी नॉर्म्स न मानने वाले मॉल का बिजली कनेक्शन और पानी कनेक्शन काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

नायगांव में 16 जिंदा कारतूस जब्त... दो गिरफ्तार, 1 फरार

वसई : नायगांव पुलिस ने एक गाड़ी से 16 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं. इस मामले में दो को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि तीसरा आरोपी भागने में सफल रहा. नायगांव पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ आईएसएम हथियार लेकर आएंगे. इसके मुताबिक पुलिस ने नायगांव ईस्ट की अंजता बिल्डिंग के सामने जाल बिछाया था. रविवार रात पुलिस ने संदिग्ध वाहन को रोककर जांच की। पुलिस को उस गाड़ी में 16 जिंदा कारतूस मिले हैं. इस मामले में पुलिस ने कल्पेश वैती (26) और नरेश नंदरूकर (21) दोनों को गिरफ्तार कर लिया है. गाड़ी में सवार उनका तीसरा साथी विक्की म्हात्रे फरार हो गया है। सभी आरोपी भिवंडी के रहने वाले हैं और सराय एक अपराधी है. उनमें से एक पर हत्या और हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया है। हमने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. तीसरे आरोपी की तलाश जारी है. नायगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश भामे ने बताया कि पिस्तौल तीसरे आरोपी के पास होने की संभावना है.

कल्याण डोंबिवली में गुरुवार को दस घंटे तक पानी की आपूर्ति रहेगी बंद... !

कल्याण : कल्याण डोंबिवली से कल्याण और डोंबिवली शहरों को पानी की आपूर्ति करने वाले नेतिवली, बारावे में जल शोधन केंद्र में रखरखाव कार्य के कारण गुरुवार (6 जून) को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक कल्याण और डोंबिवली शहरों में पानी की आपूर्ति बंद रहेगी। नगर पालिका जलप्रदाय विभाग के यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अशोक घोडे ने यह जानकारी दी है.

जल उपचार संयंत्रों के इन मरम्मत और रखरखाव कार्यों के कारण कल्याण पूर्व, पश्चिम, डोंबिवली पूर्व और पश्चिम और आसपास के क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो जाएगी। इन जल शोधन केन्द्रों की मरम्मत का कार्य प्रत्येक वर्ष मानसून की पूर्व संध्या पर किया जाता है। उसी के अनुरूप ये कार्य किये जायेंगे। कार्यपालक अभियंता घोडे ने बताया कि इस अवधि में इस जलशोधन केंद्र से निकलने वाली मुख्य जलधाराओं एवं पोख जलधाराओं पर पानी के रिसाव को रोकने का कार्य किया जायेगा. इस अवधि में यांत्रिक एवं तकनीकी मरम्मत भी की जायेगी। गुरुवार को कल्याण, डोंबिवली शहरों में दस घंटे तक पानी की आपूर्ति बंद रहेगी। इसलिए अगले दिन इन दोनों शहरों में कम दबाव से जलापूर्ति होने की संभावना है. इसलिए नगर पालिका के जल आपूर्ति विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों में एक दिन के लिए पर्याप्त पानी रखें.

शिवडी मतदान केंद्र क्षेत्र में दिखा सांप...

सर्प मित्रों की मदद से 12 सांपों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, जिसके बाद हुई वोटों की गिनती

मुंबई: पिछले महीने शिवड़ी में मतदान केंद्र पर 30 से ज्यादा सांप देखे गए हैं. इसलिए यहां पुलिस सुरक्षा के साथ-साथ सर्प मित्र भी तैनात किए गए थे। उनकी मदद से अब तक 12 सांपों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जा चुका है. छह सांप जहरीले थे। ऐसी परिस्थिति में भी शिवडी के मतदान केंद्र पर चुनाव कर्मचारियों ने मतगणना प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा किया. चुनाव के मद्देनजर शिवडी के गाडी अड्डा स्थित गोदाम में मतगणना केंद्र बनाया गया था। ज्यादा भीड़भाड़ वाले इस इलाके में मई की शुरूआत में ही मतगणना केंद्र बनाने का काम शुरू हो गया था. उस वक्त पहले ही दिन मतदान केंद्र पर कावड्या प्रजाति का एक गैर विषैला सांप देखा गया था. इससे कर्मचारियों में भय का माहौल था। लेकिन उस पर काबू पाते हुए कलेक्टर और अन्य अधिकारियों ने इस जगह पर सपेरों को तैनात करने का फैसला किया। इसलिए, पिछले महीने के दौरान इस स्थान पर कावडिया प्रजाति के छह जहरीले सांप, चार सांप और दो गैर विषैले सांप पाए गए थे। सर्प मित्रों की मदद से उन्हें सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। सांप हमारे जीव विज्ञान का एक अभिन्न अंग हैं।

इसलिए, मैं उनकी और कर्मचारियों की सुरक्षा के उद्देश्य से पिछले एक महीने से इस जगह पर काम कर रहा हूं, सुनील कदम ने कहा। कदम ने कहा कि इस मामले में कर्मचारियों को भी निर्देशित किया गया है और घटना स्थल पर छह इंजेक्शन और एक एम्बुलेंस तैनात की गई है. पिछले महीने से तापमान काफी बढ़ गया है, सांप ठंडक की तलाश में बाहर आते हैं। यहां के मैंग्रोव और झाड़ियों में बड़ी संख्या में सांप भी रहते हैं। इसलिए शिवडी इलाके में सांप दिखने की कई घटनाएं सामने आई हैं. इस इलाके में कम से कम तीन सर्प मित्रों की मौत हो चुकी है.

मुंबई में पानी का भंडारण सिर्फ 8 फीसदी...

मुंबई: मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सभी सात बांधों में जल भंडारण तेजी से घट रहा है और रविवार को जल भंडारण 8 प्रतिशत से भी कम था. राज्य सरकार ने भाटसा और उर्धवा वैत्रणा बांधों में भंडार के उपयोग की अनुमति दे दी है। इनमें उर्धवा वैतरणा बांध के रिजर्व स्टॉक का उपयोग शुरू हो गया है और भातसा बांध में मात्र साढ़े तीन फीसदी पानी है और इस बांध के रिजर्व स्टॉक का भी कुछ दिनों में उपयोग होने वाला है. इसलिए अब मुंबईकर पानी के लिए रिजर्व पर ही निर्भर रह रहे हैं।

गर्मी बढ़ती जा रही है और हर कोई बारिश का इंतजार कर रहा है. चूंकि बांध में पानी का भंडारण कम हो रहा है, इसलिए नगर निगम तंत्र भी बारिश के आगमन पर ध्यान दे रहा है. मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले उर्धवा वैत्राणा, मोदक सागर, तानसा, मध्य वैत्राण, भाटसा, विहार, तुलसी जैसे सभी सात बांधों में जल भंडारण वर्तमान में घटकर केवल 7.59 प्रतिशत रह गया है। यह जल भंडारण पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है. मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सभी सात बांधों में कुल 1 लाख 9 हजार 890 मिलियन लीटर या 7.59 प्रतिशत जल भंडारण है। पिछले वर्ष 2023 में 2 जून को जल संग्रहण 12.28 प्रतिशत था जबकि पिछले वर्ष जल संग्रहण 17.03 प्रतिशत था।

मुंबई को प्रतिदिन 3800 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है। नगर पालिका की योजना के मुताबिक एक फीसदी पानी से मुंबईकरों की तीन दिन की मांग पूरी हो जाती है. इसका मतलब है कि प्रति माह लगभग 12 से 13 प्रतिशत पानी का उपयोग किया जाता है। हालाँकि, सूरज की गर्मी बढ़ने लगी है और गर्मी के कारण बड़ी मात्रा में पानी वाष्पित हो जाता है। इसके अलावा, जून में बारिश भी अच्छी तरह से शुरू नहीं होती है। इसलिए बांध में जुलाई माह तक पानी की आपूर्ति की जानी है. लेकिन इस वर्ष जल भंडार तेजी से कम हुआ है और भंडार के उपयोग का समय आ गया है। साथ ही राज्य सरकार ने मुंबई नगर निगम को रिजर्व स्टॉक का उपयोग करने की अनुमति भी दे दी है. तदनुसार, भाटसा बांध से 1 लाख 37 हजार मिलियन लीटर पानी छोड़ा गया है और उर्धवा वैत्रणा बांध से 91,130 मिलियन लीटर आरक्षित पानी छोड़ा गया है। यह पानी जुलाई के अंत तक सप्लाई करना है.

चूंकि बांधों में पानी कम है, इसलिए इस साल अब तक रिजर्व का उपयोग करने का समय नहीं आया है। हालाँकि, उर्धवा वैतरणा बांध में जल भंडारण शून्य पर पहुंच गया है और नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इस बांध में आरक्षित भंडारण का उपयोग शुरू हो गया है। जबकि शहर को सर्वाधिक 1850 मिलियन लीटर पानी की दैनिक आपूर्ति करने वाले भटसा बांध में केवल 3.33 प्रतिशत जल भंडारण है।

बुधवार से 10 फीसदी पानी की कटौती

बांधों में जल भंडारण में कमी के कारण, एहतियात के तौर पर मुंबई में 30 मई से 5 प्रतिशत पानी की कटौती लागू की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस भंडारण का उपयोग लंबे समय तक किया जा सके। बृहन्मुंबई नगर निगम प्रशासन ने बुधवार, 5 जून से 10 प्रतिशत पानी कटौती लागू करने का निर्णय लिया है। यह 5 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की कटौती मुंबई नगर निगम द्वारा ठाणे, भिवंडी-निजामपुर नगर निगम और अन्य गांवों को आपूर्ति किए जाने वाले पानी पर भी लागू है। नगर निगम प्रशासन ने अपील की है कि सभी नागरिक पानी का संयम से उपयोग करें।

किस बांध में कितना प्रतिशत पानी?

ऊर्ध्व वैतरणा.....000
मोदक सागर....15.57 प्रतिशत
तानसा ....26.12 प्रतिशत
माध्य वितरण.. 10.43 प्रतिशत
भत्सा ....3.33 प्रतिशत
विहार ....20.16 प्रतिशत
तुलसी ...28.7 प्रतिशत

नवी मुंबई, ठाणे क्षेत्र में प्री-मानसून बारिश

मुंबई: नवी मुंबई के ठाणे के खारघर, कामोठे इलाकों में बारिश हुई और इसके कारण वातावरण में ओस छा गई और निवासियों को थोड़ी राहत मिली. इस बीच मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि सोमवार से राज्य में प्री-मानसून बारिश होगी.

नवी मुंबई के खारघर, कामोठे इलाके में सोमवार रात 12 बजे बारिश हुई. दोपहर 12.30 बजे के बाद ठाणे में भी बारिश शुरू हो गई. इसके साथ ही पश्चिमी उपनगरों के पवई, सांताक्रूज, बोरीवली इलाकों में भी बादल छाए रहे. इस बीच मौसम विभाग ने सोमवार से राज्य के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून बारिश की संभावना जताई है.

तेज रफ्तार कार ने कई बाइकों को रौंदा... हवा में उछले लोग

कोल्हापुर: महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के साइबर चौक पर भीषण कार हादसा सामने आया है। एक तेज रफ़्तार चार पहिया वाहन ने 3 दोपहिया वाहनों पर सवार 7 लोगों को टक्कर रौंद दिया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। इसमें कार चकनाचूर हो गई है और इलाके में शीशे और टूटे हुए दोपहिया वाहन बिखरे पड़े हैं। इस बीच इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है और इसमें दिख रहा है कि तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने तीन दोपहिया वाहनों को उड़ा दिया। वहीं गंभीर रूप से घायलों को कोल्हापुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है।

मौके से मिली जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 2:30 बजे कोल्हापुर के साइबर चौक पर भीषण हादसा हुआ। शिवाजी विश्वविद्यालय से साइबर चौक आने वाली सड़क पर चार पहिया सेंट्रो कार के चालक वसंत चव्हाण (72) ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। यह चार पहिया वाहन तेज गति से साइबर चौक में घुसा और सामने तीन दो पहिया वाहन सवारों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार कई फीट दूर जा गिरे। तभी चारों पहिए आगे जाकर खंभे से टकराकर पलट गए।

इसमें कार चालक समेत हर्षद पाटिल और प्रदीप पाटिल नाम के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। धनाजी शंकर कोली, शुभांगी धनाजी कोली, समर्थ पंकज पाटिल, जयराज पाटिल, प्रथमेश पाटिल, मयूर खोत नामक छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं और उनका सीपीआर अस्पताल और निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस हादसे में कार के ड्राइवर वसंत चव्हाण शिवाजी यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति थे और 72 साल के थे। इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में उनकी मौत हो गई।

दौलत नगर में रहने वाले हर्षद सचिन पाटिल, प्रथमेश सचिन पाटिल और जयराज पाटिल राजाराम झील में तैरने गए थे। हर्षद पाटिल अभी 10वीं क्लास में पढ़ रहा था।

रक्षा प्रतिष्ठानों से 500 मीटर तक निर्माण पर रोक बरकरार, सुप्रीम कोर्ट ने भी लगाई मुहर

मुंबई: एक बार फिर यह साफ हो गया है कि रक्षा प्रतिष्ठानों से 500 मीटर तक निर्माण पर प्रतिबंध बरकरार है। हालांकि केंद्रीय आयुध डिपो ने एक पत्र जारी कर कांदिवली पूर्व में एक प्रमुख आवासीय परियोजना पर तत्काल काम रोकने का आदेश जारी किया है, लेकिन रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की सभी आवास परियोजनाओं को अब कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। नगर निगम, म्हाडा के साथ-साथ स्लम पुनर्वास प्राधिकरण ने भी इस पत्र का संज्ञान लिया है और अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आवास परियोजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही इन हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के लिए काम रोकने का नोटिस जारी किया जाएगा। इसलिए एक बार फिर रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की इमारतों का पुनर्विकास रोक दिया जाएगा।

रक्षा प्रतिष्ठानों के 100 मीटर के भीतर कोई भी निर्माण निषिद्ध है और 100 से 500 मीटर के भीतर केवल चार मंजिलों की अनुमति है। लेकिन उसके लिए रक्षा प्रतिष्ठान के अनिवार्य 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' के संबंध में 18 मई, 2011 को जारी रक्षा मंत्रालय का परिपत्र लागू होता है। फिर 21 अक्टूबर 2016 को रक्षा मंत्रालय ने एक सर्कुलर जारी कर सीमा को 10 मीटर कर दिया. हालाँकि, चूंकि यह सर्कुलर अंतिम नहीं है, इसलिए इस पत्र में फिर से स्पष्ट किया गया है कि 2011 का सर्कुलर लागू है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया है.

रक्षा प्रतिष्ठानों के 500 मीटर के दायरे में भवन निर्माण के लिए 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' की आवश्यकता वाले 18 मई, 2011 के परिपत्र ने क्षेत्र में पुरानी इमारतों के पुनर्विकास को रोक दिया था। बीजेपी सांसद गोपाल शेट्टी द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद इस सीमा को 10 मीटर तक लाया गया. तदनुसार, सरकार ने एक परिपत्र जारी किया और कार्यवाही शुरू की। इससे सैकड़ों पुरानी इमारतों के पुनर्विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसके अलावा, उच्च न्यायालय ने एक नौसैनिक प्रतिष्ठान के निकट एक इमारत के पुनर्विकास में रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी मई 2011 और मई 2015 के परिपत्रों को रद्द कर दिया था। इसलिए, राज्य सरकार ने यह रुख अपनाया था कि रक्षा प्रतिष्ठानों के निकट निर्माण की अनुमति देने में कोई आपत्ति नहीं है। तदनुसार, कई आवास परियोजनाओं को संबंधित योजना अधिकारियों द्वारा अनुमति दी गई थी। हालाँकि, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के प्रासंगिक आदेश में संशोधन किया और 18 मई 2011 के परिपत्र को बरकरार रखा, रक्षा प्रतिष्ठानों के निकट निर्माण पर प्रतिबंध यथावत बना हुआ है।

चुनाव परिणाम के दिन भी रेल यात्रियों की दुर्दशा... यात्री स्थानीय समस्याओं से जूझ रहे हैं

मुंबई: रेलवे बाधित होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है. मध्य रेलवे पर पराल में अप एक्सप्रेस लाइन पर सिग्नल मंगलवार सुबह करीब 4.30 बजे बाधित हो गया। इससे सीएसएमटी की ओर जाने वाले स्थानीय लोगों को परेशानी हुई। नतीजा यह हुआ कि सुबह से ही स्थानीय गड़बड़ी के कारण कर्मचारियों को कार्यालय पहुंचने में देर हो गयी.

मध्य रेलवे पर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और ठाणे स्टेशनों पर आवश्यक बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए ठाणे में प्लेटफॉर्म नंबर 5-6 को चौड़ा करने और सीएसएमटी में प्लेटफॉर्म नंबर 10-11 को नॉन-इंटरलॉकिंग करने का काम चल रहा है। इसलिए ठाणे में 63 घंटे और सीएसएमटी पर 36 घंटे का ब्लॉक

लिया गया। मध्य रेलवे ने इस ब्लॉक अवधि के दौरान निर्धारित कार्यों को पूरा करके अपनी पीठ थपथपाई। लेकिन, अगले ही दिन सोमवार को सुबह से ही सीएसएमटी स्टेशन पर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में तकनीकी खराबी आ गई। साथ ही कोपर और दिवा के बीच सिग्नल सिस्टम भी फेल हो गया. इससे लोकल का शेड्यूल ध्वस्त हो गया.

लोकल की स्पीड बहुत कम होने के कारण स्थानीय लोग एक के पीछे एक खड़े थे। इस बीच, मंगलवार सुबह 4.30 बजे परल में लोकल सेवा बाधित हो गई। लोकल के आगे नहीं बढ़ने से परेशान यात्री ट्रैक से उतरकर पैदल ही निकल पड़े। मुख्य मार्ग पर लोकल करीब 30 से 35 मिनट की देरी से चल रही थीं। इससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. मध्य रेलवे प्रशासन ने कहा, मध्य रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी, तकनीकी विशेषज्ञ मौके पर समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में इन छह सीट पर कांटे की टक्कर... अनिल देसाई और सुनील तटकरे ने जीता चुनाव

मुंबईः महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से अधिकतर पर हालांकि अब तक उपलब्ध रुझानों के अनुसार महा विकास आघाडी (एमवीए) ने सत्तारूढ़ महायुति पर स्पष्ट बढ़त बना ली है, लेकिन छह निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। हालांकि अब तक आए आंकड़ों के अनुसार, शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल देसाई और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के सुनील तटकरे जीत हासिल कर ली है।

अनिल देसाई ने मुंबई दक्षिण-मध्य सीट पर 53,384 मतों के अंतर से मौजूदा शिवसेना सांसद राहुल शेवाले को हराया। जबकि सुनील तटकरे ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनंत गीते को 82784 मतों से हराया।

इन छह सीटों पर कांटे की टक्कर

उल्लेखनीय है कि अमरावती, बीड, भंडारा-गोंदिया, हातकणंगले, मुंबई उत्तर-पश्चिम और सतारा में मतगणना के दौरान मुख्य उम्मीदवारों के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिल रहा है। बीड में उतार-चढ़ाव भरा मुकाबला जारी है, जहां भाजपा उम्मीदवार एवं महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राकांपा (एसपी) के बजरंग सोनवणे के बीच कड़ी टक्कर है। इसी तरह अमरावती में भाजपा की नवनीत राणा और कांग्रेस के बलवंत वानखड़े के बीच कड़ी टक्कर है। भंडारा-गोंदिया में कांग्रेस के प्रशांत पडोले और भाजपा के सुनील मेंढे के बीच कड़ी टक्कर है।

शशिकांत शिंदे और उदयनराजे भोसले के बीच कड़ा मुकाबला

पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा में भी राकांपा (शरद चंद्र) के शशिकांत शिंदे और भाजपा के उदयनराजे भोसले के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है, जहां शिंदे 784 मतों से आगे चल रहे हैं। इस बीच, राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र के लातूर निर्वाचन क्षेत्र में भी कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. शिवाजी कलगे और भाजपा के सुधाकर श्रृंगारे के बीच कड़ी टक्कर है। अपराह्न दो बजे तक 10 राउंड की मतगणना में कलगे 23,212 मतों से आगे चल रहे थे। कलगे को 2,32,154 वोट मिले, जबकि श्रृंगारे को 2,08,942 वोट मिले।

मुंबई उत्तर-पश्चिम में भी टक्कर

हातकणंगले में भी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। मौजूदा शिवसेना सांसद धैर्यशील माने और शिवसेना (यूबीटी) के सत्यजीत पाटिल के बीच कड़ी टक्कर है। स्वाभिमानी पक्ष के राजू शेट्टी इस सीट से तीसरे उम्मीदवार हैं। मुंबई उत्तर-पश्चिम में भी शिवसेना (यूबीटी) के अमोल कीर्तिकर और शिवसेना के रवींद्र वायकर के बीच मुकाबले में नतीजे ऊपर नीचे हो रहे हैं। दोपहर तक कीर्तिकर ने 11,219 मतों की बढ़त हासिल कर ली है।

मुंबई दक्षिण मध्य से अनिल देसाई जीते

मुंबई दक्षिण मध्य से शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के नेता अनिल देसाई ने 395138 वोटों से जीत हासिल कर ली है। उन्होंने शिंदे गुट के राहुल शेवाले को 53384 मतों से हराया। राहुल शेवाले को 341754 मत मिले। अजित पवार गुट के सुनिल तटकरे ने रायगढ़ सीट पर जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनंत गीते को 82784 मतों से हराया।

महाराष्ट्र की असली और 'नकली' पार्टियों का क्या हुआ...
जानिए दोनों एनसीपी और दोनों शिवसेना का हाल

मुंबईः महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में न सिर्फ जनादेश आया है बल्कि असली और नकली का भी फैसला हो गया। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी ने उद्धव की शिवसेना और एनसीपी (शरतचंद्र पवार) को नकली बताकर तंज कसे थे, मगर जनता ने अपने जनादेश में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की मुराद पूरी कर दी। चुनाव आयोग से मान्यता हासिल करने के बाद शिंदे की शिवसेना पांच सीटों पर सिमट गई। इसी तरह घड़ी चुनाव चिह्न पर हक पाने वाले अजित पवार भी एसीपी ब्रांड के साथ सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल कर सकी। बीजेपी खुद 12 सीट पर ही कब्जा बनाए रखने में कामयाब होते नजर आ रही है, उसे 11 सीटों का नुकसान हुआ। इससे उलट पिछले चुनाव में 2 सीट जीतने वाली कांग्रेस 11 सीटों पर जीत हासिल करने वाली है।

जल गई उद्धव की मशाल, शरद ने बजा दी तुरही

एक साल पहले 2 जुलाई 2023 को अजित पवार ने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी थी। करीब 40 विधायक भी उनके समर्थन में आ गए। 8 विधायकों के साथ अजित पवार एनडीए की शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। फिर पार्टी पर अधिकार का मामला चुनाव आयोग, विधानसभा स्पीकर और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां उन्हें घड़ी चुनाव चिह्न भी मिल गया। इसके बाद वह एनसीपी के मुखिया भी बन गए। इससे पहले जून 2022 में एकनाथ शिंदे बागी बने। वह 16 विधायकों के साथ उद्धव ठाकरे के खिलाफ चले गए। करीब 15 दिनों के ड्रामे के बाद उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया और महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की सरकार बनी। यह मामला भी चुनाव आयोग तक पहुंचा। आयोग ने पार्टी का नाम और सिंबल तीर कमान शिंदे के हाथ में दे दिया। तकनीकी नजरिये से शिंदे की शिवसेना और अजित की एनसीपी असली पार्टी बन गई। चुनाव आयोग ने उद्धव ठाकरे गुट को शिवसेना(यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को नया नाम और सिंबल मिला। उद्धव ठाकरे इस लोकसभा चुनाव में 'मशाल' और शरद पवार 'तुरही बजा रहे आदमी' के साथ मैदान में उतरे।

जनता ने कर दिया असली-नकली का फैसला

पूरे चुनाव प्रचार के दौरान एनडीए और एमवीए में असली और नकली पर बवाल हुआ। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्धव की सेना और पवार की एनसीपी को नकली बताया। चुनाव विश्लेषक मानते हैं कि पीएम मोदी और बीजेपी ने शिंदे गुट और अजित पवार को 'असली' बनाने की पूरी कोशिश की। अगर यह कोशिश कामयाब हो जाती तो ठाकरे परिवार और शरद पवार की राजनीति कुंद पड़ जाती। मगर चुनाव में उद्धव ठाकरे ने खुद को बाला साहेब ठाकरे का उत्तराधिकारी बताते हुए जनता से फैसला करने की अपील कर दी। लोगों की सहानुभूति उद्धव के साथ गई और चुनाव में वह 10 सीटे जीतकर 'असली' बन गए और सरकारी कागजों में असली रहे शिंदे की सेना नकली बन गई। ऐसा ही हाल एनसीपी का रहा और शरद पवार 7 सीटें जीतकर साबित कर दिया कि पार्टी उनके दम ही चलती है, सिंबल पर नहीं। ग्राउंड रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी को शिवसेना और एनसीपी में तोड़फोड़ महंगी पड़ी। खुद बीजेपी को 11 सीटों का नुकसान हुआ।

पालघर लोकसभा चुनाव में 'नोटा' की बारिश...!

वसईः पालघर लोकसभा चुनाव में देखने को मिला कि 'नोटा' चौथे स्थान पर पहुंच गया. तीनों प्रमुख प्रत्याशियों के बाद 'नोटा' को पूरे 29 राउंड में 23 हजार 385 वोट मिले. पहले राउंड में 1 हजार 346 'नोट्स' रिकॉर्ड किए गए, लेकिन देखा गया कि इसमें धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो रही है। इसलिए इन वोटों का असर उम्मीदवारों पर भी पड़ा है. पालघर लोकसभा क्षेत्र में हुए चुनाव में कुल 13 लाख 73 हजार 159 वोट गिने गए. इसमें सुरों का असर भी देखने को मिला. वोटिंग मशीन में सभी उम्मीदवारों की सूची होती है, लेकिन अगर मतदाता को कोई भी उम्मीदवार पसंद नहीं है तो वह आखिरी विकल्प 'नोटा' पर वोट कर सकता है। पालघर लोकसभा में 23 हजार से ज्यादा मतदाताओं ने इस विकल्प का इस्तेमाल किया.

सोशल मीडिया के जरिए पनवेल नगर निगम का फर्जी नियुक्ति पत्र...
मनपा प्रशासन करेगा आपराधिक कार्रवाई

पनवेलः पनवेल नगर निगम ने हाल ही में 377 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की है। हालांकि, सरकारी नौकरी का लालच दिखाकर अभ्यर्थियों से ठगी के मामले अभी भी सामने आ रहे हैं। उस समय सनसनी मच गई जब नगर निगम के नाम का इस्तेमाल कर किसी ने सुपरवाइजर कंप्यूटर ऑपरेटर पद के अभ्यर्थी अभिनव उत्तम शिंदे को फर्जी ऑफर लेटर जारी कर दिया. 31 मई को यह पत्र सोशल मीडिया पर फैलने के बाद पनवेल नगर निगम ने इस पत्र का संज्ञान लिया है और पनवेल सिटी पुलिस को मामले की जांच करने और संबंधित अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने की सिफारिश की है। पुलिस को दिए गए

पत्र में नगर पालिका ने संदेह जताया है कि संबंधित अज्ञात व्यक्ति ने फर्जी पत्र के जरिए नौकरी की जरूरत वाले कई जरूरतमंद लोगों से पैसे ऐंठे हैं और उनके साथ धोखाधड़ी की है.

नगर निगम ने पिछले साल 41 संवर्गों में 377 पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने के बाद दावा किया था कि कोई कदाचार नहीं हुआ और भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई। इस परीक्षा में प्राप्त योग्यता, श्रेणीवार, सामाजिक एवं समानांतर आरक्षण को ध्यान में रखते हुए चयन सूची प्रकाशित की गई। इसके बाद 15 मार्च को चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश दे दिया गया. लोकसभा चुनाव आचार संहिता के कारण 16 मार्च से भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी। इस घटना के बाद पनवेल नगर आयुक्त डॉ. प्रशांत रसाल ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी हो गई है और परीक्षा के बाद नगर पालिका द्वारा प्रकाशित चयन सूची में उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका नाम नगर निगम की वेबसाइट पर सूची में शामिल है।

महाराष्ट्र में अब तक इन नेताओं को मिली जीत...
BJP उम्मीदवार नवनीत राणा की टेंशन बढ़ी

मुंबईः लोकसभा चुनाव को लेकर वोटों की गिनती लगातार जारी है. धीरे-धीरे पार्टियों का रुझान अब जीत में तब्दील होना शुरू हो गया है. महाराष्ट्र में पालघर से महायुति के उम्मीदवार हेमंत सावरा लोकसभा चुनाव जीत गए हैं. जलगांव से बीजेपी की स्मिता वाघ जीत गई हैं. वहीं, सांगली से निर्दलीय उम्मीदवार

विशाल पाटिल को चुनाव में जीत हासिल हुई है. विशाल पाटिल ने कांग्रेस से नाराज होकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया था.

दक्षिण मध्य मुंबई से शिवसेना के अनिल देसाई भी चुनाव जीत गए हैं. इसके साथ ही मुंबई उत्तर से बीजेपी उम्मीदवार पीयूष गोयल को चुनाव में जीत मिली है. इस सीट पर कांग्रेस के भूषण पाटील चुनाव लड़ रहे थे. उधर, अमरावती से नवनीत राणा 24 हजार वोटो से पीछे चल रही हैं.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com